web: www.nyaysakshi.com ‖ पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल ‖ पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, शुक्रवार 30 जुलाई 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-03, अंक- 300

महत्वपूर्ण एवं खास

रेप के आरोपी की लॉकअप में मौत , 3 पुलिसकर्मी सस्पेंड

हमीरपुर (आरएनएस)। मौदाहा कोतवाली थाने की लॉकअप में दुष्कर्म के एक आरोपी द्वारा कथित तौर पर खुदकुशी करने के बाद तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। हमीरपुर के पुलिस अधीक्षक ने कहा कि एक पुलिस उप-निरीक्षक और दो कांस्टेबल, जो प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए थे, उनको निलंबित कर दिया गया है। एसपी ने बताया कि महोबा जिले के खंडुआ गांव निवासी संजय ने मंगलवार रात मौदाहा कोतवाली के लॉकअप में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। एसपी ने बताया कि उसे जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने किशोरी को बहला-फुसलाकर उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में उस व्यक्ति को हिरासत में लिया था। एसपी ने बताया कि प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए एक सब-इंस्पेक्टर (एसआई) और दो कांस्टेबल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है और पूरे मामले की जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) हमीरपुर को सौंप दी गई है। मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

कोरोना की दूसरी लहर के दौरान भारत को दुनिया से मिली मदद : केंद्र

नई दिल्ली (आरएनएस)। विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने राज्यसभा में बताया कि भारत ने स्पूतनिक कंपोनेंट 1 टीके की 31.5 लाख इकाइयां और स्पूतनिक कंपोनेंट 2 टीके की 4.5 लाख इकाइयों का अभी तक आयात किया है। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी की दूसरी लहर के संकट के दौरान अंतरराष्ट्रीय समुदाय उन विशिष्ट दवाओं और उपकरणों के लिए एकजुटता और सहायता के प्रस्तावों के साथ आगे आया जो उस समय तक हमारे देश में तुरंत उपलब्ध नहीं थे जब तक कि हमारे अपने घरेलू उत्पादन में सुधार नहीं हुआ। मुरलीधरन ने बताया कि अब तक 52 देशों से विदेशी सामग्री प्राप्त हुई है, जो सरकार से सरकार, निजी से सरकार, निजी से निजी, भारतीय समुदाय सहायता और कंपनियों के माध्यम से मिली हैं। अंतर-मंत्रालयी समिति से दान को मंजूरी मिल गई है। इस समिति में स्वास्थ्य मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, नीति आयोग, डीपीआईआईडी, गृह मंत्रालय के प्रतिनिधि शामिल हैं।

तुर्की के जंगल में लगी भीषण आग

अंकारा। तुर्की के दक्षिणी प्रांत अंताल्या में चार अलग-अलग स्थानों पर जंगल में भीषण आग लग गई, जो विदेशी पर्यटकों के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य है। कृषि और वानिकी मंत्री बेकिर पाकडेमिरली ने यह जानकारी दी। मंत्री ने अंताल्या के मानवघाट जिले में कहा, दुर्भाग्य से, हवा की स्थिति, कम आर्द्रता और अन्य कारक आग को फैलने में मदद कर रहे हैं। अभी आग लगने के सभी कारण हैं। 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं आग की लपटों को हवा दे रही थीं और धुएं ने 53 लोगों को प्रभावित किया। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए एक जांच शुरू की गई है। टीवी फुटेज में दिखाया गया है कि दमकलकर्मी जलती इमारतों पर हेलीकॉप्टर से पानी डाल रहे हैं, लेकिन आग पर अभी तक काबू नहीं पाया जा सका है। तेज हवाओं के कारण जंगल में लगी आग के कारण सैकड़ों लोगों को उनके घरों से सुरक्षित निकाल लिया गया है।

अलास्का तट पर भूकंप के जोरदार झटके, सुनामी चेतावनी जारी

वाशिंगटन। अमेरिका के अलास्का तट पर गुरुवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किये जाने के बाद सुनामी चेतावनी जारी की गयी है। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 8.1 मापी गयी। अमेरिकी राष्ट्रीय सुनामी चेतावनी केंद्र ने ट्विटर पर लिखा,सुनामी चेतावनी। अलास्का के चिग्निक के दक्षिण पूर्व में 8.1 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किये गये। इससे पहले अमेरिकी भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा कि भूकंप के झटके 06.15 मिनट पर महसूस किये गये। भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से 3.4 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। इस हादसे में किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

मध्य प्रदेश समेत आठ राज्यों में 70 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी

» कोरोना महावारी को लेकर हुए सीरो सर्वे रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना महावारी के मद्देनजर इंडियन मेडिकल रिसर्च काउंसिल (आईसीएमआर) द्वारा कराए गए सीरो सर्वे में मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और बिहार समेत देश के आठ राज्यों में 70 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी पाई गई है। जबकि सबसे ज्यादा मामले वाले राज्य केरल में यह आंकड़ा महज 44.4 फीसदी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा इंडियन मेडिकल रिसर्च काउंसिल के इस सीरो सर्वे की जारी गई गई रिपोर्ट के अनुसासर यह सर्वे 14 जून से 16 जुलाई के बीच कराया गया। इस सर्वे में 6-17 साल के बच्चों को भी शामिल किया गया था। इसको देखते हुए लोगों से गैरजरूरी यात्रा टालने और कोरोना से बचाव के नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की गई थी। आईसीएमआर ने यह सर्वे देश के 70 जिलों में किया था। यह आईसीएमआर का चौथा सीरो सर्वे है। आईसीएमआर में महामारी विज्ञान विभाग के प्रमुख समीरन पांडा भी सर्वेक्षण में शामिल थे। उन्होंने कहा जिलों को जनसंख्या के आधार पर चुना गया था और इसलिए कुछ राज्यों में अधिक जिलों को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि चौथा सीरो सर्वे में शामिल जिले वहीं है जिसे इससे पहले तीनों सर्वे में शामिल किया गया था। सर्वे में हर जिले से 10 गांव या वार्ड में से 40-40 लोगों को चुना गया। मध्य प्रदेश में 79, राजस्थान में 76, गुजरात में 75.3, बिहार में 75, छत्तीसगढ़ में 74.6, उत्तर प्रदेश में 71.0, हिमाचल प्रदेश में 62.0, झारखंड में 61.2, हरियाणा में 60.1 तथा महाराष्ट्र में 58 प्रतिशत लोगों में एंटीबॉडी पाई गई।

सभी राज्यों को सीरो सर्वे कराने की सलाह- बुधवार को स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने एक पत्र लिखकर राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को सलाह दी कि वे जिला-स्तरीय डेटा तैयार करने के लिए आईसीएमआर के दिशा-निर्देश में खुद सीरो सर्वे करा लें। जिससे उस आंकड़ें का इस्तेमाल कोरोना की रोकथाम के लिए किया जा सकेगा। आईसीएमआर का सीरो सर्वे राष्ट्रीय स्तर पर कोरोना संक्रमण के फैलाव के स्तर को समझने के लिए डिजाइन किया गया था। आईसीएमआर के महानिदेशक बलराम भार्गव ने पिछले सप्ताह सीरो सर्वे के नतीजे बताते हुए कहा था देश में लगभग 40 करोड़ यानी 33 फीसदी ऐसे लोग हैं, जिनमें कोरोना की एंटीबाडी नहीं पाई गई है। यानी इन लोगों के कोरोना वायरस की चपेट में आने का खतरा बना हुआ है।

टीकाकरण का महत्व- चौथे सीरो सर्वे ने कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण का महत्व भी समझा दिया है। चौथे सीरो सर्वे के मुताबिक जिन लोगों ने वैक्सीन नहीं ली उनमें से केवल 62.3 फीसदी में ही कोरोना के खिलाफ एंटीबाडी पाई गई।

सरकार ने अब तक आर्डर की 100 करोड़ कोरोनारोधी वैक्सीन : केंद्र

» देश में 34 करोड़ ने कराया अपना पहला टीकाकरण

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना टीकाकरण अभियान को शुरू हुए छह महीने से ज्यादा का समय बीत चुका है और इस बीच सरकार 100 करोड़ कोरोना वैक्सीन का ऑर्डर दे चुकी है। वहीं 34.4 करोड़ लोगों की कोरोनी की पहली खुराक मिल चुकी है। राज्यसभा में गुरुवार को एक सवाल के जवाब में यह जानकारी स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने दी। अभी दो हफ्ते पहले सरकार के कोविशील्ड और कोवैक्सीन समेच 66 करोड़ डोज का ऑर्डर दिया है। केंद्र सरकार ने 16 जुलाई तक कोरोना की 100 करोड़ वैक्सीन का ऑर्डर दे दिया था। भारती प्रवीण ने बताया कि इन टीकों में कोवैक्स (वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के लिए टीके एकत्रित करने की पहल) से मिले टीके शामिल नहीं है, न हीं इसमें राज्य द्वारा खरीदे गए टीके शामिल हैं और निजी अस्पतालों द्वारा ऑर्डर की गई खुराकें भी इसमें शामिल नहीं हैं। 12 मार्च तक सरकार ने केवल 18.6 करोड़ खुराक का ऑर्डर दिया था, जिसके बाद 5 मई को 16 करोड़ का ऑर्डर दिया था। मई के अंत तक, उसने कोविशील्ड की 26.6 करोड़ खुराक और कोवैक्सीन की आठ करोड़ खुराक का ऑर्डर दिया था। विदेशी वैक्सीन निर्माताओं को दिए गए आदेशों का विवरण मांगने के सवाल के जवाब में, मंत्री ने कहा कि सरकार ने विदेशी निर्माताओं से कोविड के टीकों की खरीद से संबंधित विभिन्न मुद्दों से निपटने के लिए एक टीम का गठन किया था और यह कि कि यह टीम विदेशी निर्माताओं के साथ लगातार बातचीत कर रही है। राज्यसभा में एक अन्य सवाल के जवाब में स्वास्थ्य राज्य मंत्री भारती प्रवीण पवार ने कहा की कोविन पोर्टल के अनुसार, 25 जुलाई तक लगभग 34.4 करोड़ लोगों को कोरोना की कम से कम एक खुराक दी जा चुकी है.

राज कुंद्रा केस : सिंगापुर से संचालित हो रहा था कारोबार, कोडवर्ड में होता था रुपयों का लेनदेन

कानपुर (आरएनएस)। राज कुंद्रा के पोर्न बिजनेस का सबसे अहम माने जाने वाला श्याम नगर निवासी अरविन्द श्रीवास्तव करीब छह माह पहले से पोर्न फि ल्मों का कारोबार सिंगापुर से संचालित कर रहा था। राज कुंद्रा के बेहद निजी व्हाट्सएप ग्रुप से अरविन्द जुड़ा था। ये व्हाट्सएप ग्रुप पोर्न बिजनेस से जुड़े लोगों का था। अकेले इस ग्रुप के जरिए 110 करोड़ रुपए की कमाई की गई थी। साथ ही रुपयों का लेनदेन कोडवर्ड में होता था। जिनका काम शूटिंग शेड्यूल,नई लड़कियों को जोड़ने,उन्हें रूपये देने, फिल्म शूटिंग और उसे डिजिटल प्लेटफार्म पर रिलीज करना था। अभी तक 90 पोर्न फिल्मों को बेचा जा चुका था।

नई लड़कियों को फांसने के लिए एजेंटों की भर्तियां की गई थीं। पोर्नोग्राफिक कटेंट से कंपनी को जो कमाई हो रही थी उसमें से करोड़ों रुपए अरविंद ने अपनी पत्नी के खाते में ट्रांसफर किए। सिंगापुर में फि ल्मों की शूटिंग से लेकर उनके वितरण तक का काम शुरू हो चुका था। इस काम को लंदन में रह रहा एक भारतीय नागरिक और कुंद्रा का खास सहयोगी अंजाम दे रहे थे। यह भारतीय नागरिक,भारतीय मॉडल,बोल्ड सीन देने के प्रसिद्ध अभिनेत्रियों से न्यूड सीन देने के लिए सौदा करता था। नई अभिनेत्रियों को पांच हजार और चर्चित बोल्ड अभिनेत्रियों को 20 से 40 हजार रुपये प्रतिदिन के हिसाब से भुगतान होता था। अरविंद नियो फ्लिक्स कंपनी के बैनर पर अंग्रेजी में शार्ट न्यूड फि ल्में बनाने की योजना पर काम कर रहा था।

24 घंटों में 43,509 नए मामले, 640 मरीजों की मौत

» देश में कोरोना ने फिर पकड़ी रफ्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना महामारी की तीसरी लहर की आशंका के बीच उतार चढ़ाव के बाद फिर से कोरोना संक्रमण के मामलों में लगातार दूसरे दिन तेजी देखी गई। पिछले 24 घंटे में 43,509 कोरोना के नए मामले सामने आए और 640 लोगों की संक्रमण के कारण मौत हो गई। हालांकि देश में इस दौरान 38,465 मरीजों ने कोरोना को मात भी दी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना के नए मामलों की तुलना में ठीक होने वाले मरीजों की संख्या फिर से घटने लगी है। जबकि सक्रीय मरीजों की संख्या बढ़कर 4,03,840, पहुंच गई है। मंत्रालय के मुताबिक पिछले 24 घंटे में देश में कोरोना के 43,509 नए मरीज मिलने के साथ ही संख्या बढ़कर 3,15,28,114 हो गई। वहीं लगतार दूसरे दिन उपचाराधीन मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज

की गई है। देश में 640 और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,22,662 हो गई। आंकड़ों के मुताबिक उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 4,03,840 हो गई है, जो कुल मामलों का 1.28 फीसदी है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में कुल 4,404 बढ़ोतरी दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 97.38 फीसदी है। नमूनों के संक्रमित आने की साप्ताहिक दर 2.38 फीसदी है। देश में अभी तक कुल 3,07,01,612 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.34 फीसदी है। देश में अभी तक कोरोना रोधी टीकों की कुल 45.07 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं।

पुरानी पेंशन योजना पर केंद्रीय कर्मचारियों को मिलेगा अंतिम मौका

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) और राष्ट्रीय पेंशन स्कीम (एनपीएस) को लेकर एक नई व्यवस्था जारी की है। इस मसले को लेकर आए दिन कर्मचारी, अदालतों में जा रहे हैं। विभिन्न केंद्रीय कर्मचारी संगठन भी आए दिन सरकार पर यह दबाव डालते रहते हैं कि सभी विभागों में पुरानी पेंशन व्यवस्था को दोबारा से लागू किया जाए।

केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि सभी सुसंगत पहलुओं पर विचार करने के बाद तथा आगे होने वाली मुकदमेबाजी को कम करने के लिए, एक अहम निर्णय लिया गया है। ऐसे सभी मामलों में जहां दिनांक 31 दिसंबर 2003 को या उससे पूर्व होने वाली रिक्तियों के सापेक्ष भर्ती के परिणाम एक जनवरी 2004 से पहले घोषित किए गए थे, भर्ती के लिए सफल घोषित उम्मीदवार पुरानी पेंशन योजना यानी केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली, 1972 के अधीन कवर किए जाने के पात्र होंगे। मतलब, केंद्र सरकार के विभागों में कार्यरत ऐसे उम्मीदवारों को पुरानी पेंशन स्कीम में शामिल होने का एक अंतिम अवसर दिया जाएगा।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय परिषद-जेसीएम के सचिव शिव गोपाल मिश्रा और सदस्य सी. श्रीकुमार ने वित्त मंत्रालय एवं डीओपीटी के अधिकारियों के समक्ष पुरानी पेंशन व्यवस्था को दोबारा से लागू करने की मांग की है। एक जनवरी 2004 से सेना को छोड़कर बाकी सभी केंद्रीय विभागों में एनपीएस लागू किया गया था। यहां तक कि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को भी पुरानी पेंशन व्यवस्था से बाहर कर दिया गया। कॉन्फेडरेशन ऑफ एक्स पैरामिलिट्री फोर्स वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव, रणबीर सिंह ने इस बाबत केंद्र सरकार में कई मंत्रियों को ज्ञापन दिया है। उनका कहना है कि बीएसएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी और सीआईएसएफ जैसे केंद्रीय सुरक्षा बलों में वेतन भत्तों को लेकर जवान खुश नहीं हैं। सेना के मुकाबले इन बलों के जवानों को कई सुविधाओं से वंचित रखा गया है। भारतीय सेना को तो वन रैंक वन पैंशन भी दे दिया गया, लेकिन अर्धसैनिक बलों को पुरानी पेंशन भी नहीं दी जा रही।

पुरानी पेंशन स्कीम को लेकर केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों से आए दिन स्पष्टीकरण देने के लिए डीओपीटी के पास पत्र आते हैं। दिल्ली उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय तक भी यह मामला पहुंच चुका है।

राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने संसद के मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा में पूछे गए सवाल के जवाब में बताया, 22 दिसंबर 2003 की अधिसूचना के विशिष्ट उपबंधों को ध्यान में रखते हुए रिक्तियों के लिए विज्ञापन की तारीख या उन रिक्तियों के सापेक्ष चयन के लिए परीक्षा की तारीख को पुरानी पेंशन योजना या राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत कवर किए जाने की पात्रता निर्धारित करने के लिए सुसंगत नहीं माना जाता है। ऐसे उम्मीदवार जिनकी भर्ती प्रक्रिया 31 दिसंबर 2003 को या उससे पहले पूरी हो चुकी थी। पूर्व घोषित परिणामों में उम्मीदवारों को सफल घोषित किया गया था।

विसुही नदी में डूबे बच्चो का हुआ रेस्क्यू , तीनों शव निकाले गए बाहर

गोण्डा (आरएनएस)। जिले के खरगूपुर थाना क्षेत्र के गोकरन शिवाला के पास भोला जोत में विसुही नदी में बुधवार को नहाते समय तीन बच्चो के गहरे पानी में चले जाने से तीनो डूब गए । घटना की खबर लगते ही परिवार में कोहराम मच गया,परिजन रोते बिलखते घाट पर पहुंच गए और अपने बच्चो का पता लगाने के लिये लोगों से गुहार लगाने लगे । पुलिस को सूचना दी गयी, स्थानीय पुलिस गोताखोरों को बुला कर डूबे किशोरों की खोजबीन शुरू करा दी लेकिन देर रात्रि तक बच्चो का शव नदी से नही निकाला जा सका था। पास के पंचरुखी मनोहर जोत निवासी आनंद कुमार 12 पुत्र सुरेश , महेश कुमार 13 पुत्र पवन कुमार , विक्रांता 8 वर्ष पुत्र तिलकराम विसुही नदी में नहाने गए थे । इस दौरान तीनों किशोर ज्यादा गहराई में चले गए । क्षेत्राधिकारी लक्ष्मीकांत गौतम सहित उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचकर गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया लेकिन रात्रि तक शव बरामद नही हुआ था आज प्रात- तीनो बच्चो का शव नदी से बरामद कर ,शवो को पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है।

अब 11 भाषाओं में होगी इंजीनियरिंग की पढ़ाई : प्रधानमंत्री मोदी

» नई शिक्षा नीति के एक साल हुए पूरे

नई दिल्ली (आरएनएस)। पीएम मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के एक साल पूरा होने पर कहा कि बीते एक साल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार बनाकर बहुत से फैसले लिए गए। हमें यह याद रखना है कि नई शिक्षा नीति ही भविष्य के भारत का आधार तैयार करेगी और तमाम अन्य फैक्टर्स में से सबसे अहम कारण होगी। 21वीं सदी का आज का युवा अपनी व्यवस्था और अपनी दुनिया को अपने ही हिसाब से बनाना चाहता है। ऐसे में उसे एक्सपोजर चाहिए और पुराने बंधनों से मुक्ति

चाहिए। बीते एक साल में देश के सभी शिक्षाविदों ने नई शिक्षा नीति को धरातल पर उतारने में बहुत मेहनत की है।

उन्होंने कहा कि हम देख सकते हैं कि छोटे कस्बों और गांवों से निकले युवा कैसे-कैसे कमाल कर रहे हैं। हम टोक्यों ओलंपिक में भी देख सकते हैं कि भारत के सुदूर इलाकों से निकले युवा भी देश का नाम रोशन कर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लेकर मशीन लर्निंग तक में युवा में अपना परचम लहराने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। यही युवा भारत के स्टार्टअप सिस्टम में क्रांति ला रहे हैं। डिजिटिल इंडिया को नई गति दे रहे हैं। आप कल्पना कीजिए कि जब इस युवा पीढ़ी को अपने सपनों के अनुरूप वातावरण मिलेगा तो उनकी शक्ति कितनी ज्यादा बढ़ जाएगी।

देश का युवा कभी भी बदलेगा स्ट्रीम, बढ़ेगी लोगों की स्किल- पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश का युवा अब कभी भी अपनी स्ट्रीम में बदलाव कर सकता है। अब उनके आगे यह डर नहीं रहेगा कि यदि उन्होंने कोई एक स्ट्रीम चुन ली तो फिर उसे बदल नहीं पाएंगे। यह डर जब युवाओं के मन से निकलेगा तो उनके मन से तमाम तरह के डर निकलेंगे और वे नए प्रयोग करने तत्पर होंगे। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारे युवाओं को देश को समर्थ बनाने के लिए पूरी दुनिया के मुकाबले एक कदम आगे बढ़कर सोचना होगा। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि बीते एक साल में देश के 1,200 से ज्यादा उच्च शिक्षण संस्थानों ने स्किल इंडिया से जुड़े कोर्सों की शुरुआत की है।

अब 11 भाषाओं में होगी इंजीनियरिंग की पढ़ाई- उन्होंने कहा कि हमने स्थानीय भाषाओं को भी प्रमुखता देने का फैसला लिया है। इंजीनियरिंग की पढ़ाई अब तमिल, मराठा, बांग्ला समेत 5 भाषाओं में शुरू होने वाली है। इसके अलावा कुल 11 भाषाओं में इंजीनियरिंग के कोर्स का अनुवाद शुरू हो चुका है। इसका सबसे ज्यादा लाभ देश के गरीब और मिडिल क्लास के स्टूडेंट्स को होगा। दलितों और आदिवासियों को होगा। इन्हीं परिवारों से आने वाले लोगों को लैंग्वेज डिवाइड का सामना करना पड़ता था। मातृभाषा में पढ़ाई से गरीबों का बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ेगा। इसके अलावा प्रारंभिक शिक्षा में भी मातृभाषा को प्रमोट करने का काम शुरू हो गया है।